साप्ताहिक विच्छेदित पाठ्यक्रम 2023-24

CLASS - 11 SUBJECT - GEOGRAPHY

ekg	lIrkg	ikB	ikB dk mi[kM	dkyk'k	vf/kxe ifrQy
अप्रैल	प्रथम	1. मानव भूगोल प्रकृति एवं विषय क्षेत्र	मानव भूगोल की प्रकृति, मानव का प्राकृतिकरण और प्रकृति का मानवीकरण	3	1.छात्र मानव भूगोल की प्रकृति और क्षेत्र को समझते हैं। 2.छात्र भूगोल विषय से अन्य विषयों के साथ अंर्तसंबंध को समझते हैं।
			समय के गलियारों से मानव भूगोल, मानव भूगोल के क्षेत्र और उप क्षेत्र		
		2. विश्व जनसंख्या	विश्व में जनसंख्या वितरण के प्रारूप, जनसंख्या का घनत्व, जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले कारक	5	1.छात्र पृथ्वी पर निवासित विभिन्न मानव समूहों के संकेन्द्रण का समझ पाते हैं। 2.छात्र पृथ्वी पर जनसंख्या वृद्धि एवं घनत्व को प्रभावित करने वाले कारकों को समझ पाते हैं।
			जनसंख्या वृद्धि, जनसंख्या परिवर्तन के घटक, जनसंख्या वृद्धि की प्रवृतियाँ		
अप्रैल	द्वितीय	2. विश्व जनसंख्या	विश्व जनसंख्या के दो गुना होने की अवधि, जनसंख्या परिवर्तन के स्थानिक प्रारूप, जनसंख्या परिवर्तन के प्रभाव, जनांकिकीय संक्रमण	3	
		3. जनसंख्या संघटन	लिंग संघटन, आयु संरचना, आयु लिंग पिरामिड,	3	1.छात्र मानव समूह के आयु–लिंग संरचना को समझा पाते हैं।
		प्रायोगिक–आँकड़े स्रोत और संकलन	आंकड़ों का प्रस्तुतिकरण, आंकड़ों के स्रोत, प्राथमिक आंकड़ों के साधन, आंकड़ों के द्वितीयक स्रोत	2	1. छात्र आंकड़ों के स्रोत को समझ पाते हैं।

अप्रैल	तृतीय	3. जनसंख्या संघटन	ग्रामीण नगरीय संघटन, साक्षरता, व्यावसायिक संरचना	2	2. छात्र मानव समूह के आवासीय एवं उसके विभिन्न कियाकलापों को समझ पाते हैं।
		4. मानव विकास	वृद्धि और विकास, मानव विकास के चार स्तंभ,	2	1.छात्र मानव समूह के प्रमुख विकास घटकों को समझ पाते हैं।
			मानव विकास के उपागम, मानव विकास का मापन, अंतर्राष्ट्रीय तुलनाएँ		
		5. प्राथमिक कियाएँ	आखेट एवं भोजन संग्रह	2	1.छात्र मानव के प्रारंभिक कियाकलाप को समझ पाते हैं।
		प्रायोगिक–आँकड़े स्रोत और संकलन	आंकड़ों का सारणीयन और वर्गीकरण, वर्गीकरण की प्रकिया	2	1. छात्र आंकड़ों के वर्गीकरण की प्रकिया को समझ पाते हैं।
अप्रैल	चतुर्थ	5. प्राथमिक कियाएँ	पशुचारण, चलवासी पशुचारण, वाणिज्य पशुधन पालन	6	1.छात्र मानव के प्रारंभिक कियाकलाप को समझ पाते हैं। 2.छात्र कृषि के विभिन्न स्वरूपों को समझ पाते हैं।
			कृषि, निर्वाह कृषि, आदिकालीन निर्वाह कृषि,गहन निर्वाह कृषि		
			रोपण कृषि, विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि		
		मासिक आकलन		2	
मई	प्रथम	5. प्राथमिक कियाएँ	मिश्रित कृषि, डेरी कृषि, भूमध्य सागरीय कृषि	6	1.छात्र मानव के प्रारंभिक कियाकलाप को समझ पाते हैं। 2.छात्र कृषि के विभिन्न स्वरूपों को समझ पाते हैं।
			बाजार के लिए सब्जी खेती एवं उद्यान कृषि		
			सहकारी कृषि, सामूहिक कृषि		
			खनन, खनन कार्य को प्रभवित करने वाले कारक, खनन की विधियाँ		
		प्रायोगिक–आंकड़ों का प्रकमण	केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप, माध्य, माध्यिका और बहुलक	2	1. छात्र आंकड़ों के औसत एवं मध्यमान को समझ पाते हैं।

मई	द्वितीय	6. द्वितीयक क्रियाएँ	विनिर्माण, विनिर्माण की विशेषताएँ,	6	1.छात्र विभिन्न प्रकार के उद्योग एवं उनके विकास तथा अवस्थिति के कारकों को समझ पाते हैं। 2.
			विनिर्माण उद्योगों का वर्गीकरण, आकार पर आधारित उद्योग		
			कच्चे माल पर आधारित उद्योग, कृषि आधारित, खनिज आधारित,रसायन आधारित, वनों पर आधारित, पशु पर आधारित		
			स्वामित्व के आधार पर उद्योग, परंपरागत बड़े पैमाने वाले औद्योगिक प्रदेश, जर्मनी का रूर कोयला क्षेत्र, उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग की संकल्पना		
		प्रायोगिक–आंकड़ों का प्रक्रमण	माध्य, माध्यिका और बहुलक की तुलना, प्रकीर्णन की माप एवं विधियाँ	2	1. छात्र आंकड़ों के मध्य तुलनात्मक संबधों को समझ पाते हैं।
जून	द्वितीय	6. द्वितीयक क्रियाएँ	लौह इस्पात उद्योग	3	1. छात्र उद्योगों के विभिन्न केन्द्र एवं वितरण को समझ पाते हैं।
			सूती कपड़ा उद्योग		
		7. तृतीयक और चतुर्थक क्रियाकलाप	तृतीयक क्रियाकलापों के प्रकार, व्यापार एवं वाणिज्य, ग्रामीण क्षेत्रों में आवधिक बाजार	3	1.छात्र सेवा क्षेत्र के विभिन्न आयामों को समझ पाते हैं।
			फुटकर व्यापार, थोक व्यापार, परिवहन, परिवहन को प्रभावित करने वाले कारक		
		प्रायोगिक–आंकड़ों का प्रक्रमण	कोटि सहसंबंध, सहसंबंध की दिशा एवं गहनता तथा सहसंबंध की गणना करने की विधियाँ	2	1. छात्र आंकड़ों संग्रहण करने की विधियों के बीच संबंध स्थापित कर पाते हैं।

जून	तृतीय	7. तृतीयक और चतुर्थक क्रियाकलाप	संचार, दूरसंचार, सेवाएँ, तृतीयक क्रियाकलापों में संलग्न लोग पर्यटन, पर्यटन को प्रभावित करने वाले कारक, भारत में समुद्रपार रोगियों के लिए स्वास्थ्य सेवाएँ चतुर्थ क्रियाकलाप, पंचम क्रियाकलपाप, अंकीय विभाजक	6	1.छात्र सेवा क्षेत्र के विभिन्न आयामों को समझ पाते हैं। 2. छात्र पर्यटन एवं स्वास्थ्य सेवाओं के भौगोलिक परिप्रेक्ष्य को समझ पाते हैं।
		प्रायोगिक – आंकड़ों का आलेखी निरूपण	आंकड़ों का प्रदर्शन, आरेखों की रचना, रेखा ग्राफ	2	1. छात्र आंकड़ों को विभिन्न तरीकों से प्रदर्शित करना समझ जाते हैं।
जून	चतुर्थ	8. परिवहन एवं संचार	परिवहन, परिवहन की विधाएँ, सड़क परिवहन सड़कें, यातायात प्रवाह,महामार्ग,सीमावर्ती सड़कें रेलमार्ग, पारमहाद्वीपीय रेलमार्ग,पार–साइबेरियन रेलमार्ग पार–कैनेडियन रेलमार्ग, संघ और प्रशांत रेलमार्ग, आस्ट्रेलियाई पारमहाद्वीपीय रेलमार्ग, ओरिएंट एक्सप्रेस	6	1.छात्र मानव जीवन में परिवहन और संचार के विभिन्न माध्यमों के महत्व को समझ पाते हैं। 2.छात्र स्थल परिवहन के विभिन्न रूवरूपों को विस्तार से समझ पाते हैं।
		मासिक आकलन		2	
जुलाई	प्रथम	8. परिवहन एवं संचार	जल परिवहन, समुद्री मार्ग, उत्तरी अटलांटिक समुद्री मार्ग, भूमध्यसागर–हिन्दमहासागरीय समुद्री मार्ग उत्तमाशा अंतरीप समुद्री मार्ग, उत्तरी प्रशंत समुद्री मार्ग, दक्षिणी प्रशंत समुद्री मार्ग, तटीय नौ परिवहन नौ परिवहन नहरें, स्वेज नहर, पनामा नहर आंतरिक जलमार्ग, राइन जलमार्ग,डेन्यूब जलमार्ग, वोल्गा जलमार्ग, वृहद् झीलें सेंट लारेंस समुद्री मार्ग, मिसीसिपी जलमार्ग वायु परिवहन, अंतर महाद्वीपीय वायुमार्ग, पाइपलाइन	6	1.छात्र मानव जीवन में परिवहन और संचार के विभिन्न माध्यमों के महत्व को समझ पाते हैं। 2.छात्र जल परिवहन के विभिन्न रूवरूपों को विस्तार से समझ पाते हैं। 3.छात्र वायु परिवहन एवं पाइपलाइन के विभिन्न रूवरूपों को विस्तार से समझ पाते हैं।

		प्रायोगिक – आंकड़ों का आलेखी निरूपण	दण्ड आरेख एवं मिश्रित दण्ड आरेख	2	1. छात्र आंकड़ों को विभिन्न तरीकों से प्रदर्शित करना समझ जाते हैं।
जुलाई	द्वितीय	8. परिवहन एवं संचार	संचार, उपग्रह संचार,साइबर स्पेस–इंटरनेट	2	1.छात्र वर्तमान जीवन के उपयोग में आ रहे संचार माध्यमों को समझ पाते हैं।
		9. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का इतिहास, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के आधार अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के महत्वपूर्ण पक्ष, व्यापार का परिमाण, व्यापार संयोजन, व्यापार संतुलन, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रकार, मुक्त व्यापार की स्थिति, विश्व व्यापार संगठन, प्रादेशिक व्यापार समूह, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से संबंधित मामले पत्तन अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश द्वार, पत्तन के प्रकार	6	1.छात्र विभिन्न देशों के बीच हो रहे विनमय को समझ पाते हैं। 2.छात्र किसी वस्तु के उत्पादन एवं उसके वितरण को समझ पाते हैं। 3.छात्र जल परिवहन में बंदरगाह के महत्व को समझ पाते हैं।
जुलाई	तृतीय	10. मानव बस्ती	बस्तियों का वर्गीकरण–ग्रामीण नगरीय द्विभाजन, बस्तियों के प्रकार एवं प्रतिरूप ग्रामीण बस्ती, ग्रामीण बस्तियों के प्रतिरूप, ग्रामीण बस्तियों की समस्याएँ नगरीय बस्तियाँ, नगरीय बस्तियों का वर्गीकरण,नगरीय क्षेत्रों के कार्य आकृति के आधार पर नगरों का वर्गीकरण, नगरीय बस्तियों के प्रकार विकासशील देशों में मानव बस्तियों की समस्याएँ, नगरीय बस्तियों की समस्याएँ	6	1.छात्र अधिवास के प्रकार, प्रतिरूप एवं समस्याएँ को समझ पाते हैं।
		प्रायोगिक – आंकड़ों का आलेखी निरूपण	वृत्त आरेख	2	1. छात्र आंकड़ों को विभिन्न तरीकों से प्रदर्शित करना समझ जाते हैं।
जुलाई	चतुर्थ	पुनरावृत्ति	पाठ संख्या 1 से 5	3	
			पाठ संख्या 6 से 10	3	
		आकलन एवं मूल्यांकन		2	

अगस्त	प्रथम	1. जनसंख्या	जनसंख्या का वितरण, जनसंख्या का घनत्व, जनसंख्या की वृद्धि, जनसंख्या वृद्धि में क्षेत्रीय भिन्ताएँ जनसंख्या संघटन, ग्रामीण–नगरीय संघटन,भाषई संघटन,धार्मिक संघटन,श्रमजीवी जनसंख्या संघटन	6	1.छात्र अपने देश में निवासित विभिन्न मानव समूहों के संकेन्द्रण का समझ पाते हैं। 2.छात्र अपने देश में जनसंख्या वृद्धि एवं घनत्व को प्रभावित करने वाले कारकों को समझ पाते हैं।
		प्रायोगिक – आंकड़ों का आलेखी निरूपण	थिमैटिक मानचित्र	2	1. छात्र आंकड़ों को विभिन्न तरीकों से प्रदर्शित करना समझ जाते हैं।
अगस्त	द्वितीय	2. प्रवास	प्रवास, प्रवास में स्थानिक विभिन्ता प्रवास के कारण, प्रवास के परिणाम	3	1. छात्र भारत में आवासन के वर्तमान प्रवृत्ति को समझ पाते हैं।
		3. मानव विकास	भारत में मानव विकास, आर्थिक उपलब्धियों के सूचक,	3	1. छात्र भारत के विभिन्न राज्यों के आर्थिक–सामाजिक विकासों के अंतर को समझ पाते हैं।
			स्वस्थ जीवन के सूचक, सामाजिक सशक्तिकरण के सूचक		
			भारत में मानव विकास सूचकांक		
		प्रायोगिक – आंकड़ों का आलेखी निरूपण	बिन्दुकित मानचित्र	2	1. छात्र आंकड़ों को विभिन्न तरीकों से प्रदर्शित करना समझ जाते हैं।
अगस्त	तृतीय	4. मानव बस्तियाँ	ग्रामीण बस्तियों के प्रकार नगरीय बस्तियाँ, भारत में नगरों का विकास, भारत में नगरीकरण जनसंख्या आकार के आधार पर नगरों का वर्गीकरण	6	1. छात्र भारत के ग्रामीण और नगरीय अधिवास के स्वरूप, इतिहास और वर्तमाान नगरों में जनघट जमाव के कारणों को समझ पाते हैं।
		प्रायोगिक– आंकड़ों का आलेखी निरूपण	वर्णमात्री मानचित्र	2	1. छात्र आंकड़ों को विभिन्न तरीकों से प्रदर्शित करना समझ जाते हैं।
अगस्त	चतुर्थ	4. मानव बस्तियाँ	नगरों का प्रकार्यात्मक वर्गीकरण	2	
		5. भूसंसाधन तथा कृषि	भू–उपयोग वर्गीकरण, भारत में भू–उपयोग परिवर्तन, साझा संपत्ति संसाधन, भारत में कृषि भू–उपयोग, भारत में फसल ऋतुएँ, कृषि के प्रकार	4	1. छात्र भारत में भू–प्रतिरूप के अनुसार कृषि प्रारूप को समझ पाते हैं।
		मासिक आकलन		2	

सितम्बर	प्रथम	5. भूसंसाधन तथा कृषि	खाद्यान्न फसल, चावल	6	1. छात्र भारत में उपजाए जाने वाले विभिन्न फसलों के भौगोलिक और आर्थिक पहलू को समझ पाते हैं।
			गेहूँ, ज्वार, बाजरा, मक्का		
			दालें, चना, अरहर, तिलहन		
			रेशेदार फसलें,		
			अन्य फसलें, गन्ना, चाय, कॉफी		
		प्रायोगिक –आंकड़ों का आलेखी निरूपण	समसमान रेखा मानचित्र	2	1. छात्र आंकड़ों को विभिन्न तरीकों से प्रदर्शित करना समझ जाते हैं।
सितबंर	द्वितीय	5. भूसंसाधन तथा कृषि	भारत में कृषि विकास, विकास की रणनीति	3	1. छात्र भारत में कृषि विकास के इतिहास, समस्याएँ एवं उसमें अपनायी गई नई क्रांतियों को समझ पाते हैं।
			कृषि उत्पादन में वृद्धि तथा प्रौद्योगिकी का विकास		
			भारतीय कृषि की समस्याएँ		
		6. जल संसाधन	भारत के जल संसाधन, धरातलीय जल संसाधन, भौम जल संसाधन, लैगून और पश्च जल, जल की माँग और उपयोग, सिंचाई के लिए जल की माँग	3	1. छात्र भारत के जल संसाधन के स्वरूप एवं वितरण तथा कृषि में इनके महत्व को समझ पाते हैं।
		प्रायोगिक–आंकड़ों का प्रक्रमण एवं मानचित्रण में कम्प्यूटर का उपयोग	हार्डवेयर एवं साफ्टवेयर	2	1. छात्र कम्प्यूटर के विभिन्न पार्ट को समझ पाते हैं।
सितबंर	तृतीय	6. जल संसाधन	संभावित जल समस्या	5	1. छात्र जल के महत्व को समझते हुए उसके संरक्षण एवं प्रबंधन के विभिन्न उपायों को समझ पाते हैं।
			जल के गुणों का ह्रास, जल संरक्षण और प्रबंधन, जल प्रदूषण का निवारण,		
			जल का पुनःचक्र और पुनःउपयोग		
			जल संभर प्रबंधन, वर्षा जल संग्रहण		
		7. खनिज तथा ऊर्जा संसाधन	खनिज संसाधनों का प्रकार	1	1. छात्र भारत में पाए जाने वाले खनिजों के विभिन्न प्रकारों को समझ पाते हैं।
		प्रायोगिक – आंकड़ों का प्रक्रमण एवं मानचित्रण में कम्प्यूटर का उपयोग	आलेख की रचना	2	1. छात्र कम्प्यूटर का उपयोग करना सीख पाते हैं।
सितबंर	चतुर्थ	7. खनिज तथा ऊर्जा संसाधन	भारत में खनिजों का वितरण	6	1. छात्र भारत में पाए जाने वाले खनिजों के उत्पादन केन्द्रों को राज्यवार समझ पाते हैं।
			लौह खनिज		
			अलौह खनिज		
			अधात्विक खनिज		
		मासिक आकलन		2	

अक्टूबर	प्रथम	7. खनिज तथा ऊर्जा संसाधन	ऊर्जा संसाधन, अपरंपरागत ऊर्जा स्रोत, खनिज संसाधनों का संरक्षण	4	1. छात्र भारत में ऊर्जा स्रोत के विभिन्न स्वरूपों एवं महत्व को समझ पाते हैं।
		8. निर्माण उद्योग	उद्योगों का प्रकार,	2	
		प्रायोगिक – क्षेत्रीय सर्वेक्षण	कार्य विधि, क्षेत्रीय सर्वेक्षण–एक चयनित अध्ययन	2	1. छात्र क्षेत्रीय सर्वेक्षण की कार्यविधि को समझते हुए अपने लिए एक क्षेत्र को चुन पाते हैं।
अक्टूबर	द्वितीय				
अक्टूबर	तृतीय	8. निर्माण उद्योग	उद्योगों की स्थिति, औद्योगिक नीति लोहा इस्पात उद्योग सूती वस्त्र उद्योग	6	1. छात्र भारत में उद्योगों के विकास एवं अवस्थिति के कारकों को समझ पाते हैं।
		प्रायोगिक – क्षेत्रीय सर्वेक्षण	गरीबी का क्षेत्रीय सर्वेक्षण, विस्तार, निर्धारक और परिणाम	2	1. छात्र क्षेत्रीय सर्वेक्षण के लिए चुने क्षेत्र का विभिन्न मापदंड समझ पाते हैं।
अक्टूबर	चतुर्थ	8. निर्माण उद्योग	चीनी उद्योग पेट्रो रसायन उद्योग, ज्ञान आधारित उद्योग भारत में उदारीकरण, निजीकरण तथा वैश्वीकरण एवं औद्योगिक विकास	6	1. छात्र चीनी एवं पेट्रो रसायन उद्योग के अवस्थिति एवं विकास को समझ पाते हैं। 2. छात्र वर्तमान अर्थव्यवस्था में आ रहे परिवर्तनों को भारत के संदर्भ में समझ पाते हैं।
		मासिक आकलन		2	
नवम्बर	प्रथम	8. निर्माण उद्योग	भारत के औद्योगिक प्रदेश	3	1. छात्र भारत के औद्योगिक प्रदेशों को समझ पाते हैं।
नवम्बर	द्वितीय	9. भारत के संदर्भ में नियोजन और सततपोषणीय विकास	लक्ष्य क्षेत्र नियोजन, पर्वतीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम,	3	1. छात्र सततपोषणीय विकास में लक्ष्य क्षेत्र नियोजन एवं पर्वतीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम को समझ पाते हैं।
		प्रायोगिक – क्षेत्रीय सर्वेक्षण	सूखे क्षेत्र का क्षेत्रीय अध्ययन	2	1. छात्र सूखा को समझते हुए जल संरक्षण को महत्व दे पाते हैं।
		9. भारत के संदर्भ में नियोजन और सततपोषणीय विकास	सूखा संभावी क्षेत्र विकास कार्यक्रम, सततपोषणीय विकास, इंदिरा गाँधी नहर कमान क्षेत्र	3	1. छात्र सततपोषणीय विकास में इंदिरा गाँधी नहर कमान क्षेत्र एवं सूखा संभावित विकास कार्यक्रम को समझ पाते हैं।

नवम्बर	तृतीय	10. परिवहन तथा संचार	स्थल परिवहन, सड़क परिवहन	3	1.छात्र मानव जीवन में परिवहन एंव संचार के विभिन्न माध्यमों के महत्व को समझ पाते हैं। 2. छात्र स्थल परिवहन के विभिन्न रूवरूपों को विस्तार से समझ पाते हैं।
नवम्बर	चतुर्थ	10. परिवहन तथा संचार	रेल परिवहन	6	1. छात्र मानव जीवन में परिवहन एवं संचार के विभिन्न माध्यमों के महत्व को समझ पाते हैं। 2. छात्र परिवहन के विभिन्न रूवरूपों को विस्तार से समझ पाते हैं।
			जल परिवहन		
			तेल एवं गैस पाइप लाइन		
			संचार जाल		
		मासिक आकलन		2	
दिसम्बर	प्रथम	11. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	भारत के निर्यात संघटन के बदलते प्रारूप, भारत के आयात संघटन के बदलते प्रारूप, व्यापार की दिशा	6	1. छात्र वर्तमान समय में भारत के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के बदलते स्वरूप को समझ पाते हैं। 2. छात्र भारत के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में समुद्री पत्तन एवं हवाई अड्डे के महत्व को समझ पाते हैं।
			समुद्री पत्तन–अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश द्वार के रूप में		
			हवाई अड्डे		
		प्रायोगिक – स्थानिक सूचना प्रौद्योगिकी	भौगोलिक सूचना तंत्र, लाभ, विधियाँ एवं घटक	2	1. छात्र भौगोलिक सूचना तंत्र को समझ पाते हैं।
दिसम्बर	द्वितीय	12. भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ	पर्यावरण प्रदूषण, जल प्रदूषण	6	1. छात्र वातावरण में हो रहे तीव्र बदलाव को समझ पाते हैं।
			वायु प्रदूषण		
			ध्वनि प्रदूषण		
		प्रायोगिक – स्थानिक सूचना प्रौद्योगिकी	स्थानिक आंकड़ा फार्मेट, भौगोलिक सूचना तंत्र की क्रियाओं का अनुक्रम	2	1. छात्र भौगोलिक सूचना तंत्र को समझ पाते हैं।
दिसम्बर	तृतीय	12. भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ	नगरीय अपशिष्ट निपटान, ग्रामीण शहरी प्रवास	6	1. छात्र वातावरण में हो रहे तीव्र बदलाव को समझ पाते हैं।
			भू निम्नीकरण		
		मासिक आकलन		2	
दिसम्बर	चतुर्थ				
जनवरी	प्रथम	भाग 2 का पुनरावृति	पाठ संख्या 1 से 4	3	
			पाठ संख्या 5 से 8	3	
			पाठ संख्या 9 से 12	2	
			पाठ संख्या 1 से 3	3	

जनवरी	द्वितीय	भाग 1 का पुनरावृति	पाठ संख्या 4 से 6	3	
			पाठ संख्या 7 से 10	2	
जनवरी	तृतीय	भाग 1 का आकलन एवं मूल्यांकन	पाठ संख्या 1 से 3	3	
			पाठ संख्या 4 से 6	3	
			पाठ संख्या 7 से 10	2	
जनवरी	चतुर्थ	भाग 2 का आकलन एवं मूल्यांकन	पाठ संख्या 1 से 4	3	
			पाठ संख्या 5 से 8	3	
			पाठ संख्या 9 से 12	2	